ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय-हिन्दी व्याकरण

दिनांक—24/02/2021

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

3.योग्यता - वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द (पद) प्रसंगानुरूप अर्थ प्रदान करता है। इसे ही योग्यता कहते हैं।
जैसे - किसान कुदाल से खेत जोतता है।
इस वाक्य में योग्यता का अभाव है क्योंकि कुदाल से खेत की जुताई नहीं की जाती है। कुदाल के स्थान पर 'हल' का प्रयोग करने से वाक्य में वांछित योग्यता आ जाती है। तब वाक्य इस तरह हो जाएगा- किसान हल से खेत जोतता है।

4. निकटता - वाक्य के किसी शब्द को बोलते या लिखते समय अन्य शब्दों में परस्पर निकटता होना आवश्यक है। इसके अभाव में शब्दों से अभीष्ट अर्थ की प्राप्ति नहीं हो पाती है; जैसे -
गाय ... घास ... चर रही है।

यहाँ 'गाय' शब्द बोलकर रुक जाने से मन में जिज्ञासा उठती है कि गाय 'दूध देती है' या दुधारू पशु है या कुछ और। इसी प्रकार 'घास' कहने के बाद रुक जाने से जिज्ञासा प्रकट होती है और हमें अर्थ के लिए अनुमान लगाना पड़ता है। अतः इस वाक्य को बिना रुके इस प्रकार लिखा या बोला जाना चाहिए- गाय घास चर रही है।
~~~~~~~~~~

पदक्रम - वाक्यों में प्रयुक्त शब्दों को एक निश्चित क्रम में रखा जाता है ताकि वांछित अर्थ की अभिव्यक्ति हो। इसे ही पदक्रम कहते हैं। पदों (शब्द) के इस क्रम को बदल देने पर अर्थ की अभिव्यक्ति नहीं हो पाती है; जैसे -

- पटरी रेलगाड़ी पर दौड़ती है।
- हैं छात्रों को रहे पढा अध्यापक।

पदक्रम की दृष्टि से यह वाक्य उचित नहीं है। उचित पदक्रम में रखने पर इस तरह लिखा जाएगा

- रेलगाड़ी पटरी पर दौड़ती है।
- अध्यापक छात्रों को पढ़ा रहे हैं।

6. अन्वय - वाक्य अनेक शब्दों (पदों) का व्यवस्थित मेल होता है। यही व्यवस्थित रूप अन्वय कहलाता है।
वाक्य में प्रयुक्त पदों का लिंग, वचन, कारक, काल, पुरुष आदि के साथ यथोचित सामंजस्य होना चाहिए। इसके अभाव में वाक्य न व्याकरणिक दृष्टि से सही होते हैं और न वांछित अर्थ की अभिव्यक्ति कर पाते हैं; जैसे -

- धोबी कपड़े धोती हैं।
- छात्राएँ सुंदर चित्र बनाते हैं।
- मज़दूर ने सवेरे-सवेरे काम पर जाते हैं।

उचित अन्वय के साथ लिखने पर -

- धोबी कपड़े धोते हैं।
- छात्राएँ सुंदर चित्र बनाती हैं।
- मज़दूर सवेरे-सवेरे काम पर जाते हैं।

वाक्य भेद :
वाक्यों के वर्गीकरण के मुख्यतया दो आधार हैं -

1. अर्थ के आधार पर
2. रचना के आधार पर

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”

🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲